>

Title: Regarding need for Caste-based census alongwith population census in the country.

अध्यक्ष महोदया : शरद यादव जी, आप बोलिए, लेकिन बहुत संक्षेप में कहिए।

श्री शरद यादव (मधेपुरा) : अध्यक्ष जी, मैं कई दिनों से नोटिस दे रहा था, इस सदन में बहुत लम्बी बहस हुई है, हम सब लोगों ने जाति जनगणना का मामला पूरे सदन ने आम राय से स्वीकार किया था। लेकिन अभी जो किया जा रहा है, यदि इसको हेड काउण्ट में भी रख देते, तो यह सब हो सकता था, इतना ज्यादा पैसा खर्च करके, हैण्डसेट के साथ और अब इसके तीन हिस्से कर दिए। यह कह दिया कि एक, स्टेट गवर्नमेंट करेगी, फिर दूसरा करेगी रूरल डेवलपमेंट, फिर करेगी अर्बन डेवलपमेंट। अध्यक्ष जी, एक तरह से यह काम कभी होने वाला नहीं है। अफसोस है कि इस देश में आप पेड़, जानवर, पहाड़ आदि सभी का संख्या गिन लेते हैं, हम लोग इतने दिन से कह रहे हैं, पूरी आम राय से - भारतीय जनता पार्टी से लेकर कांग्रेस पार्टी तक के लोगों ने - सभी ने आम सहमति से इसे स्वीकार किया, लेकिन अब इसके तीन हिस्से कर दिए गए हैं। बिलो पावर्टी लोगों को उसमें डालने की बात कही गयी है। बिलो पावर्टी लोगों के लिए कमीशन बनाइए, वह कंट्रोवर्सियल मामला है, वह कहीं भी सिरे नहीं चढ़ेगा। इसलिए मेरी आपसे विनती है, प्रणब बाबू यहां बैठे हैं, यह सेंशस कमीश्नर का काम है, उसे ही इसे करना चाहिए। आपने, सोनिया जी ने और प्रधानमंत्री जी ने कितनी बार हम लोगों को इस बारे में कहा है, हम लोग विश्वास में थे, लेकिन इस तरह से इसके खण्ड-खण्ड करके यह कभी होने वाला नहीं है क्योंकि कहीं चुनाव आ जाएगा, कहीं बाढ़ आ जाएगी, कहीं कुछ और हो जाएगा, इसलिए मेरी विनती है कि यह मामला बहुत गंभीर है।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी) : अध्यक्ष महोदय, यह भी खबर है कि कैबिनेट में भी जातीय आधार पर जनगणना हो, यह सवाल आया था, यह सही है कि कैबिनेट में भी कुछ लोगों को इस पर एतराज था, लेकिन कैबिनेट ने यह स्वीकार किया कि जातिवार जनगणना होनी चाहिए। जब आरक्षण हुआ है, तो वह जातिवार हुआ है, फिर इसमें दिक्कत क्या है? प्रधानमंत्री जी ने सदन के अंदर इसके बारे में आश्वासन दे दिया है कि हम जातीय आधार पर जनगणना करेंगे। उसके बाद हमने नेता, सदन से मिलकर प्रार्थना की थी। नेता, सदन भी इस पर सहमत हो गए थे, फिर अब बीच में क्या वजह हो गयी?

जब नेता सदन और प्रधान मंत्री जी यह बात कह दें तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या इस पार्टी में भी किसी का विरोध हो सकता है । यह मामला कहां अटका हुआ है और क्यों अटका हुआ है, यह बात हम सदन के अंदर नेता सदन से जानना चाहते हैं? आप इस पक्ष में हो गए थे, आपका हमने विश्वास किया।

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड) : अध्यक्ष महोदया, 1939 के बाद कास्ट सेंसस नहीं हुआ। यहां संसद में एक राय हुई थी कि कास्ट सेंसस होना चाहिए। जनगणना का काम सेंसस कमिश्नर करता है। यह वादा किया गया था। उसके बाद हम सदन के नेता से मिले थे। उन्होंने कहा था कि सभी पार्टीज से लिखित रूप में मांगेंगे। सभी दलों ने लिखित रूप से सरकार को अपनी राय दी थी। उसके बाद कास्ट सेंसस करने का फैसला हुआ। लेकिन आज जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें कास्ट सेंसस नहीं है। सरकार ने एक वादा किया, लेकिन एक्शन दूसरा लिया। राज्य सरकारों को सेंसस करने का कोई अधिकार नहीं है और आप उनसे सेंसस करा रहे हैं। सेंसस कमिश्नर का यह का है और आप रूरल डवलपमेंट विभाग से करा रहे हैं। यह कास्ट सेंसस नहीं है, जानबूझकर यह किया जा रहा है, क्योंकि कास्ट सेंसस नहीं होना चाहिए, ऐसा कुछ मंत्री और अधिकारी चाहते हैं, लेकिन हमें कास्ट सेंसस चाहिए और वह होनी चाहिए।...(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहता हूं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: कृपया शांत हो जाएं। रघुवंश बाबू शांति भंग न करें। आप बैठ जाएं, आपका भी नाम है। आपको भी मौका दिया जाएगा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: इतना जोर से मत बोलिए

...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया: रघुवंश बाबू, आप बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Dara Singh Chauhan says.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया: दारा सिंह जी आप अपनी बात कहें।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी) : माननीय अध्यक्ष जी, जाति इस देश की सच्चाई है और इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता। जाति जनगणना के लिए पूरी संसद में एकमत से यह राय आई कि जब इस देश में सामाजिक परिवर्तन हम लाना चाहते हैं तो निश्चित रूप से जाति पर आधारित जनगणना जरूरी है। आपने बीपीएल की जनगणना शुरू कर दी और उसके लिए पैसा भी रिलीज कर दिया। हम उसके लिए आपको बधाई देते हैं। लेकिन जाति पर आधारित जनगणना एक सच्चाई है और इसमें यह चीज आनी चाहिए कि देश में किस वर्ग की कितनी पापुलेशन है। हम बजट में एलोकेट करते हैं, तो वह इस आधार पर हो कि कितने अगड़े हैं, कितने पिछड़े हैं, कितने रिमोट एरिया में रहते हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि जब देश की जनता सच्चाई को जानना चाहती है और सदन के नेता तथा प्रधान मंत्री जी भी इस बात को सदन में स्वीकार कर चुके हैं तो फिर जाति पर आधारित जनगणना क्यों नहीं हो रही है? हम सब चाहते हैं कि जाति पर आधारित जनगणना होनी चाहिए।

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Madam Speaker, sometime back, the whole House adopted a resolution to go for a Caste based Census; everybody, cutting across Party line, has agreed. I do not know why the Government sheepish to enter into the Caste based Census.

This is more important. Even for budgeting, we need to know how many people belonging to which Caste are there; what is the number of people in each and every Caste, especially, the OBC. You preach for social justice, but at the same social justice is rendered only by virtue of Caste basis.

In this connection, the DMK Party is vociferous in requesting the Government to go for Caste based Census now itself. Otherwise, definitely it will not happen after some time.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam, I would once again like to submit that, the hon. Members have raised this issue and as I was involved with it, the Cabinet has taken the decision that Census will take place. The hon. Shri Sharad Yadav gave to me the format as to in which format this should take place. That has also been forwarded to the authorities concerned who will be dealing with it. But I am told that there have been some problems at the implementation level. We will sort it out...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, मेरा कहना यह है कि जो लोग इस बारे में चिंतित हैं, उन्हें बुलाकर बात की जाए तो अच्छा है।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Before the Session started, I went to you; I requested you. The Home Minister told me that he has said the same format which you gave to me. But you are telling me that it is not being implemented. We will look into it so that, in the same format, it is being implemented. ...(*Interruptions*)